[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

K

Sr. No. of Question Paper : 9438

Unique Paper Code : 2313100022

Name of the Paper : Reading Social Relations Through Texts and Visuals – 1

Name of the Course : **DSE-NEP-UGCF -2022**

Semester : VII

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. How would you define the concept of 'Social Relations'? Would you argue that the play *Mṛchhakaṭika* (The Little Clay Cart) offers its readers and audiences diverse insights for analysing the social dynamics of its time?
आप 'सामाजिक संबंधों' की अवधारणा को कैसे परिभाषित करेंगे? क्या आप तर्क देंगे कि मृच्छकटिक (छोटी मिट्टी की गाड़ी) नाटक अपने पाठकों और दर्शकों को अपने समय की सामाजिक गतिशीलता से परिचित करवाता है?

2. How can a close reading of the *Sabhāparva* help us identify the strains and cleavages within contemporary social structures, and what do these tensions suggest about changing social relations in the era the text reflects?
सभापर्व का गहन अध्ययन हमें समकालीन सामाजिक संरचनाओं के भीतर तनावों और दरारों को पहचानने में कैसे मदद कर सकता है, और ये तनाव उस युग में बदलते सामाजिक संबंधों के बारे में क्या संकेत देते हैं जिसे यह ग्रंथ प्रतिबिंबित करता है?

P.T.O.

3. Many *Jatakas* use symbolism of varied kinds. How do these stories mirror human social relations at the time of composition?
कई जातक कथाओं में विविध प्रकार के प्रतीकवाद का प्रयोग किया गया है। ये कहानियाँ रचना के समय के मानवीय सामाजिक संबंधों को किस प्रकार प्रतिबिम्बित करती हैं?

4. How doews Fawaid-ul-Fuad reflect and influence social relations within the context of its historical and cultural setting?
फ़वायद-उल-फवाद अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिवेश के संदर्भ में सामाजिक संबंधों को किस प्रकार प्रतिबिंबित और प्रभावित करता है?

5. In what ways does the architectural structure and symbolic iconography of *stupas,* specifically of Sanchi or Bharhut, serve as a lens to understand ancient Indian 'Social History'?

स्तूपों, विशेषकर साँची या भरहुत के स्तूपों की स्थापत्य संरचना और प्रतीकात्मक प्रतिमा विज्ञान, प्राचीन भारतीय 'सामाजिक इतिहास' को समझने के लिए किस प्रकार एक लेंस का काम करते हैं?

6. Analyse the extent to which the sculptures of Konark or Virupaksha illuminate the social structures, practices, and values of their respective time frame.

विश्लेषण करें कि कोणार्क या विरुपाक्ष की मूर्तियां किस हद तक अपने-अपने समय की सामाजिक संरचनाओं, प्रथाओं और मूल्यों को उजागर करती हैं।

7. What do the structures of Elephanta caves or Mahabalipuram reveal about the interaction between society, religion, and political power?
एलिफेंटा गुफाओं या महाबलीपुरम की संरचनाएं समाज, धर्म और राजनीतिक शक्ति के बीच अंतःक्रिया के बारे में क्या बताती हैं?

8. How do the artistic elements and architectural design of the Qutb Minar or *Agrasen ki Baoli* or *Rani ki Vav* reflect and shape social relationships, through their form, decoration, and spatial organization?
कुतुब मीनार या अग्रसेन की बावली या रानी की वाव के कलात्मक तत्व और स्थापत्य डिजाइन अपने रूप, सजावट और स्थानिक संगठन के माध्यम से सामाजिक संबंधों को कैसे प्रतिबिंबित करते हैं और उन्हें कैसे आकार देते हैं?